हिंदी भवन संदेश

(हिंदी प्रचारिणी सभा का सूचना-पत्र)
लोंग माउंटेन – मॉरीशस

NEWSLETTER

Website : hindipracharinisabha.com --- E.Mail: hindipracharinisabha@hotmail.com

भाषा गई तो संस्कृति गई

YEAR: 12 ISSUE: 30 January 2019 *Published by: Hindi Pracharini Sabha - Long Mountain, Mauritius* ISSN 1694-3481

संपादकीय

निद्रा से जागो अभिभावकगण !

जहाँ तक हिंदी भाषा, धर्म व संस्कृति का प्रश्न है, अभिभावकों को सचेत होना है ताकि हिंदी भाषा का पठन-पाठन हो। हिंदी को केवल भाषा नहीं बल्कि इसे संस्कृति की वाहिका समझना चाहिए। हिंदी से ही से हमारी संस्कृति की पहचान होती है। इसलिए अभिभावकों को अपने बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए। अपने बच्चों को हिंदी पढ़ने के लिए प्रेरित करते रहना चाहिए। इससे हमारा धर्म और हमारी संस्कृति बची रहेगी। बच्चों को अपने धर्म व संस्कृति की अच्छी पहचान होगी।

आजकल यह देखा जा रहा है कि कुछ अभिभावक खुद अपने बच्चों को हिंदी पढ़ने से रोक रहे हैं। कारण यह कि उनके देखने में हिंदी उनके अन्य विषयों की पढ़ाई में बाधक बनेगी। पर ऐसी बात नहीं है। यह प्रमाणित है कि जो बच्चे अन्य विषयों में अव्वल आते हैं वे ही बच्चे हिंदी में भी अच्छा काम करते हैं। हिंदी कभी भी अन्य विषयों के लिए कभी रुकावट नही बनी है। बल्कि हिंदी सीखने से बच्चों का ज्ञानवर्धन होता है, वे ज्यादा कुछ सीख पाते हैं।

हिंदी भाषा सीखने के साथ-साथ बच्चे मानव मूल्य की शिक्षा,पूजा-पाठ संबंधी बातें, शिष्टाचार, अनुशासन तथा त्योहारों की जान-कारी प्राप्त करते हैं। आज के समय में किसी अभिभावक के पास उतना समय है कि वह अपने बच्चों के साथ बैठकर मूल्य की बात करे, या फिर धर्म-संस्कृति की बात सिखाए। यह बात अवश्य ही सोचनीय है क्योंकि हमारे बच्चे कहीं गलत रास्ते न अपना लें जिनसे उनको हानि हो। अच्छा संस्कार मिले, हम सब ऐसी हम कामना करते हैं। पर क्या हम अपने बच्चों को थोड़ा समय दे पा रहे हैं। इस बात पर हमें ज़रूर सोच-विचार करना चाहिए।

सायंकालीन व सप्ताहांत के हिंदी स्कूलों में हिंदी पढ़ाई जाती है, इससे हमें लाभ उठाना है और बच्चों के साथ-साथ हमें भी सचेत होना है। निःशुल्क पढ़ाई को नाहक नहीं समझना चाहिए। हिंदी प्रचारिणी सभा की ओर से आयोजित परीक्षाओं का पाठ्यक्रम इस तरह से निर्माण किया गया है ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो। बच्चों के अच्छे शारीरिक, सामाजिक, नैतिक व धार्मिक विकास को ध्यान में रखकर यह पाठ्यक्रम तैयार हुआ है। हमें आशा है कि शिक्षक व अभिभावक इसे समझकर इससे पूरा-पूरा लाभ उठाएँगे।

कम-से-कम दूसरों को देखकर भी तो कुछ सीखा जा सकता है। गैर जाति के बच्चे सुबह-सुबह कैसे अपने लिबाज़ में धार्मिक शिक्षा प्राप्ति हेतु सड़क किनारे खड़े देखे जाते हैं। जागो अभिभावकगण जागो और सीखो ! ■

यंतुदेव बुधु
प्रधान-हिंदी प्रचारिणी सभा

पाठ्यक्रम में बदलाव

वर्ष 2019 से 2022 तक के लिए सभा द्वारा आयोजित प्रवेशिका से उत्तमा तक की परीक्षाओं के लिए नया पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। नए पाठ्यक्रम और पुस्तकों की सूची सभा की वेब साईट पर देख सकते हैं। यह पाठ्यक्रम चार वर्षों की अवधि के लिए रखा गया है। प्राथमिक तथा प्रवेशिका और परिचय कक्षाओं के लिए निर्धारित पुस्तकें हिंदी प्रचारिणी सभा, लोंग माउंटेन से प्राप्त की जा सकती हैं। बाकी कक्षाओं की पुस्तकें बाज़ार व पुस्तक बिक्रेताओं से प्राप्त हो सकती हैं। पुराने प्रश्नपत्र भी सभा की वेब साईट पर उपलब्ध कराया गया हैं जिससे छात्र लाभांवित हो सकते हैं।

प्रवेशिका कक्षा के लिए निर्धारित पुस्तकें

प्रवेशिका कक्षा की पाठ्यपुस्तकों में केवल स्थानीय साहित्य-कारों की रचनाएँ रखी गई हैं। जबकि परिचय कक्षा के लिए स्थानीय और भारतीय साहित्यकारों की रचनाएँ रखी गई हैं। हम चाहते हैं कि छात्र स्थानीय साहित्यकारों से भी परिचित हों। इससे मॉरीशसीय साहित्य-सृजनकर्ताओं को लिखने का प्रोत्साहन मिलेगा। प्रेरित करने के लिए हमने कई नए उभरते लेखकों को इन पाठ्यपुस्तकों में जगह दी है। ■

परिचय कक्षा के लिए निर्धारित पुस्तकें

समावर्तन समारोह 2018

शनिवार ता.08 दिसंबर 2018 को हिंदी भवन में 84 वाँ समावर्तन मनाया गया। अवसर के मुख्य अतिथि माननीय श्री धरमेंदर शिवशंकर वित्तीय सेवा व उचित शासन मंत्री रहे। भारतीय उच्चायुक्त श्री अभय ठाकुर का प्रतिनिधित्व डॉ. श्रीमती नूतन पांडे कर रही थी। सभागार में कई गणमान्य अतिथि के साथ-साथ शिक्षक,अभिभावक, हिंदी प्रेमी तथा देश के कोने-कोने से आए हुए छात्रों ने अपनी उपस्थिति दी। कार्यक्रम का श्रीगणेश शिक्षिका कुमारी खुशी द्वारा एक गणेश व सरस्वती वन्दना पर आधारित नृत्य से हुआ। इस अवसर पर छठी कक्षा, प्रवेशिका तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार प्रदान किया गया। साथ में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी देश के दो महानुभावों को हिंदी के प्रचार-प्रसार में विशेष योगदान के लिए "हिंदी प्रचारिणी सभा सम्मान" से विभूषित किया गया। वे हैं श्री कमल कोवल तथा श्रीमती धनवन्ती पोखराज।

माननीय शिवशंकर जी ने लोगों को हिंदी में संबोधित किया जिन्हें सुनकर लोग प्रफुल्लित हो उठे। उन्होंने अपने भाषण में छात्रों को हिंदी पढने को प्रोत्साहित किया और कहा कि हिंदी ही हमारी पहचान है। डॉ. श्रीमती नूतन पांडे ने सभा द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने सभा के पुस्तकालय के लिए अपनी एक स्वरचित पुस्तक 'मॉरीशस नींव से निर्माण तक' की कुछ प्रतियाँ प्रदान कीं। आर्य सभा के महासचिव श्री सत्यदेव प्रीतम ने भी अपनी पुस्तक की पाँच प्रतियाँ सभा को भेंट की।

अंत में छात्रों को प्रमाणपत्र व पुरस्कार वितरित किया गया। कार्यक्रम के प्रस्तोता सभा के मंत्री श्री धनराज शम्भु ने लोगों की उपस्थिति के लिए आभार प्रकट किया। ■

इतिहास के पन्नों से

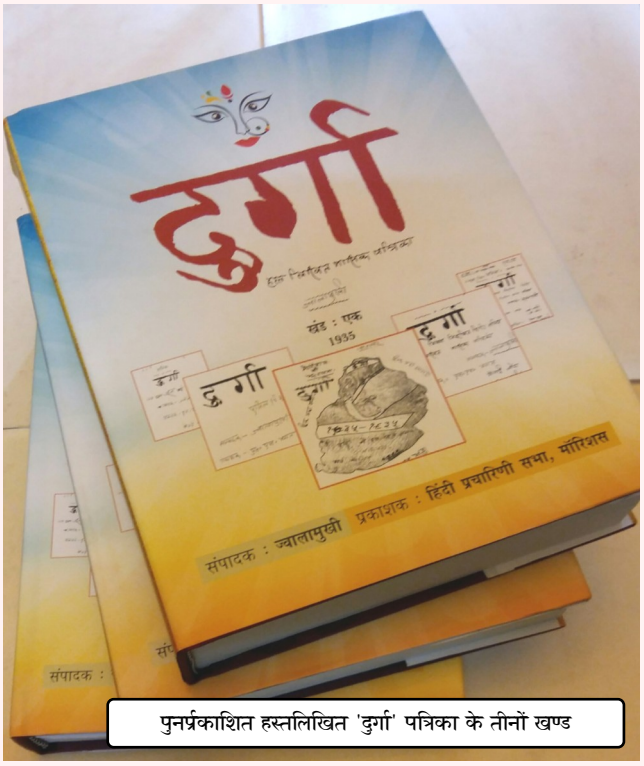

पुनर्प्रकाशित हस्तलिखित 'दुर्गा' पत्रिका के तीनों खण्ड

1935-1938 तक हिंदी प्रचारिणी सभा द्वारा प्रकाशित हस्तलिखित दुर्गा पत्रिका का पुनर्प्रकाशन कर ग्यारहवें विश्व हिंदी सम्मेलन के अवसर पर भारत के विदेश मंत्रालय द्वारा मॉरीशस के स्वामी विवेकानन्द सम्मेलन केंद्र में लोकापर्ण हुआ। यह सभा के लिए गर्व की बात है कि आज दुर्गा हस्तलिखित पत्रिका विश्वभर में चर्चित है। यह सभा के लिए एक अमूल्य धरोहर रही है जो हमारे बुज़ुर्गों ने संभाल कर रखा है। इसकी मौलिक व संकलित प्रतियाँ सभा के पुस्तकालय में देखी जा सकती है। उस समय की दुर्गा पत्रिका के सम्पादक सुरुज प्रसाद मंगर भगत थे जो ज्वालामुखी नाम से लिखते थे। वैसे दुर्गा हस्तलिखित पत्रिका के सभी लेखक छद्म नाम से लिखा करते थे। बृजलाल धनपत 'व्यास' नाम से,ब्रजेन्द्र भगत मधुकर 'केशव देव' नाम से तथा कोई 'नन्दन', कोई 'रसिक' तो कोई 'कुमार' नाम से लिखता था।

उस समय यह पत्रिका मासिक प्रकाशित होती थी। सदस्य इसे बारी-बारी से पढ़ते थे और फिर यह पत्रिका वापस सभा में पहुँचा दी जाती थी। इस तरह यह पत्रिका तीन वर्षों तथा कुछ महीनों तक चली,फिर किसी कारण वश बंद हो गई।

दुर्गा हस्तलिखित पत्रिका का पुनर्प्रकाशन हेतु विदेश मंत्रालय में कार्यरत डॉ. कलम किशोर गोयनका ने बहुत मेहनत कर तीनों संकलित प्रतियों के लिए संपादकीय लिखा। पाठक संपादकीय पढ़कर पत्रिका की सामग्री की जानकारी प्राप्त कर लेंगे। डॉ. गोयनका द्वारा लिखित संपादकीय पूरी पत्रि-का का निचोड़ है। इस पत्रिका में अनेक प्रकार की सामग्री हुआ करती थी-कहानी, कविता, लेख, गीत, व्याखान, निबंध, संस्मरण, नाटक, अनुवाद तथा लघुकथा, जीवन चरित्र, पुस्तक-समीक्षा आदि।

दुर्गा हस्तलिखित पत्रिका का यह प्रकाशन उन लेखकों के प्रति एक श्रद्धांजलि है जिनकी मेहनत से हमारे देश में हिंदी आज फली-फूली है। दुर्गा हस्तलिखित पत्रिका हिंदी प्रचारिणी सभा-भवन में पाठकों के लिए उपलब्ध है। छात्र-छात्राओ, आप इससे लाभ उठाइए। ■

हिंदी भवन में लखनऊ से परिकल्पना संस्था

ता. 7 सितंबर 2018 को परिकल्पना संस्था–लखनऊ की ओर से 10वाँ अंतरराष्ट्रीय हिंदी उत्सव मॉरीशस में मनाया गया। परि–कल्पना, हिंदी प्रचारिणी सभा तथा भारतीय उच्चायोग के संयुक्त तत्वावधान में यह उत्सव भव्य रूप से सुरुज प्रसाद मंगर भगत सभागार में मनाया गया। परिकल्पना के निदेशक श्री रवीन्द्र प्रभात के साथ तीस से अधिक हिंदी–विद्वान यहाँ पधारे। इस उत्सव के मुख्य अतिथि इलाके के सांसद माननीय विकास ओरी, विशिष्ट अतिथि महामहिम श्री अभय ठाकुर भारतीय उच्चायुक्त थे। विश्व हिंदी सचिवालय के महासचिव प्रो. विनोद कुमार मिश्र भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कई हिंदी प्रेमियों ने भाग लिया। उद्घाटन के बाद पूरे दिन का कार्यक्रम हुआ जिसके अंतर्गत भाषण, आलेख, नाटक, गीत तथा कवि सम्मेलन भी हुआ। हिंदी को बढ़ावा देने के लिए परिकल्पना द्वारा 25 भारतीय साहित्यकारों तथा 10 मॉरीश–सीय हिंदी सेवियों को सम्मानित किया गया। साथ में कई पुस्तकों का लोकापर्ण भी हुआ। सभा के प्रधान,मंत्री, कोषाध्यक्ष व सदस्य तथा साहित्यकार रामदेव धुरंधर, राज हीरामन, हेमराज सुंदर तथा अन्य कई लोग सम्मानित हुए। परिकल्पना एक ऐसी संस्था है जो देश–विदेश में हिंदी के प्रचार के लिए ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करती है।

दुर्गा हस्तलिखित पत्रिका जिसका लोकार्पण 11वें विश्व हिंदी सम्मेलन में हुआ था, उसका एक बार फिर प्रदर्शन सभागार में विद्वानों के सामने हुआ। यह आयोजन बहुत ही सफल रहा। ■

विदाई समारोह

महात्मा गांधी संस्थान में कार्यरत प्रो. उमेश कुमार सिंह आई. सी. सी आर. हिंदी चेयर का कार्यकाल गत वर्ष दिसंबर में पूरा हुआ। उमेश जी का हिंदी प्रचारिणी सभा से काफी मेलजोल रहा। वे सभा के हर उत्सव में भाग लेते थे। उन्होंने हिंदी प्रचारिणी सभा से पंजीकृत देश के कई बैठकाओं का दौरा किया तथा छात्रों व शिक्षकों से अपने अनुभव का साझा किया। हिंदी भवन में प्रवे–शिका उत्तरपत्रों के अंकन के दौरान नवंबर के अंत में सभा के सदस्य तथा शिक्षकगण की उपस्थिति में उमेश जी के लिए हमने एक विदाई समरोह का आयोजन किया था। सभा की ओर से प्रो. उमेश को एक स्मृति पट तथा दुर्गा पत्रिका की एक प्रति प्रदान की गई।

डॉ.नूतन पांडे द्वितीय सचिव भारतीय उच्चायोग के कार्यकाल की अवधि भी दिसंबर 2019 में समाप्त हो गई और वे जनवरी की शुरू–आत में भारत लौट गईं। हिंदी प्रचारिणी सभा के समावर्तन समारोह के दौरान डॉ. नूतन को सभा के प्रधान के हाथों एक स्मृति पट प्रदान किया गया। डॉ. नूतन जी का सभा से गहरा संबंध रहा है। भारतीय उच्चायोग के सहयोग से सभा ने कई संगोष्ठियों व कार्यक्रमों का आयोजन किया है जिनमें डॉ. नूतन का बड़ा सहयोग रहा है। हम सभा की ओर से डॉ. नूतन पांडे को आभार प्रकट करते हैं। ■

चित्रावली

सभा के पुस्तकालय के लिए डॉ. नूतन प्रदान कर रही अपनी स्वरचित पुस्तक

सत्यदेव प्रीतम अपनी स्वरचित पुस्तक प्रदान करते हुए

सभा-भवन के सामने सदस्यों के साथ डॉ नूतन पाँडे तथा प्रो.विनोद कुमार मिश्र

सभी हिंदी प्रेमियों को नूतन वर्ष 2019 की मंगल कामनाएँ । यह वर्ष सबके लिए मंगलमय हो ।

मॉरीशस के बैंक ऑफ़ बड़ौदा द्वारा विश्व हिंदी दिवस

ग्यारह जनवरी 2019 की शाम को मॉरीशस के बैंक ऑफ़ बड़ौदा के कर्मचारियों ने अपने स्तर पर बैंक में ही हिंदी दिवस का आयोजन किया । इस उपलक्ष्य पर प्रो. विनोद कुमार मिश्र–सचिव विश्व हिंदी सचिवालय तथा यंतुदेव बुधु–प्रधान हिंदी प्रचारिणी सभा विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित थे । बैंक के उच्च अधिकारी श्री रितेश कुमार, श्री पांडे सुशील कुमार तथा श्री आलोक कुमार के साथ देश के अन्य शाखाओं से आए कई अधिकारी उपस्थित थे । इसी अवसर पर प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया । हिंदी दिवस मनाने का उद्देश्य भाषा तथा धर्म–संस्कृति को बढ़ावा देना होता है । यह छोटा सा आयोजन बैंक के कर्मचारियों का हिंदी के प्रेति प्रेम दर्शाता है । यह आयोजन बहुत ही सफल रहा । ∎

हिंदी प्रचारिणी सभा

HINDI PRACHARINI SABHA
LONG MOUNTAIN
MAURITIUS

सम्भावित वार्षिक गतिविधियाँ – 2019

1. विद्यालय प्रवेश ---- शनिवार 12 जनवरी
2. ज़िलाध्यक्षों की बैठक ---- शनिवार 23 फरवरी
3. कार्यशाला / संगोष्ठी ---- शनिवार 9 मार्च
4. बृहद अधिवेशन ---- शनिवार 30 मार्च
5. कविता वाचन प्रतियोगिता ---- प्रथम चरण 11 मई
   अंतिम चरण 8 जून
6. परीक्षाओं का आवेदन ---- क. प्रवेशिका 4 मई
   ख. सम्मेलन 1 जून
   ग. अतिरिक्त 27 जुलाई
7. स्थापना दिवस -- शनिवार 15 जून
8. कार्यशाला (उत्तमा III) -- शुक्रवार 9 अगस्त
9. श्रुतिलेख प्रतियोगिता (पाँचवीं कक्षा) ---- अगस्त (छुट्टी में)
10. हिन्दी दिवस (तुलसी जयंती के अवसर पर)---- शनिवार 17 अगस्त
11. निबन्ध प्रतियोगिता ---- अगस्त (छुट्टी में)
12. परीक्षाएँ -- क. छठी – शनिवार 14 सितम्बर
    ख. प्राथमिक – 15 अक्तूबर से
    ग. प्रवेशिका – 16 नवंबर
    घ. सम्मेलन –16,17,18,19,20 दिसंबर
13. समावर्तन समारोह -- शनिवार 7 दिसंबर